>

Title: Issue regarding derecognition of King Edward Memorial Hospital in Mumbai by Medical Council of India.

**श्री संजय निरुपम :** महोदया, मैं किसी भी प्रकार के राजनीतिक मुद्दे पर बोलने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूं। यह मुंबई का बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है, उसे लेकर खड़ा हुआ हूं। वह प्रश्न एमसीआई की मनमानी और भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। एमसीआई की मनमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक अच्छा काम हो रहा है, पिछले अध्यक्ष को गिरफ्तार करके तिहाड़ जेल में डाला गया है, वहां एक नई बॉडी बनाई गयी है। लेकिन अब नई बॉडी बनने के बाद भी क्या सचमुच सही ढंग से काम हो रहा है? कल मुंबई के टाइम्स ऑफ इंडिया अखबार ने खबर दी कि मुंबई के एक ऐतिहासिक अस्पताल, जो वर्ष 1926 में स्थापित हुआ था, 88 वर्ष पुराने किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज को डिरिकग्नाइज करने के लिए फिर से नोटिस दी गयी है। पिछले तीन वर्षों से, वर्ष 2007 से इस प्रकार की नोटिस दी जा रही है। एक ऐसा मेडिकल कॉलेज जहां से प्रतिवर्ष 180 डाक्टर्स पढ़कर निकलते हैं और पूरी दुनिया में वहां के डाक्टर जाते हैं, शायद दिल्ली में भी वहां के बहुत से डाक्टर्स होंगे। मैंने पता लगाने की कोशिश की कि डिरिकग्नाइज करने की नोटिस और धमकी क्यों दी जा रही है, तो मुझे बताया गया कि सिर्फ इसलिए कि वहां पर लेक्चरर्स की कुछ पोस्ट्स वैकेंट हैं।

उन लेक्चरर्स की कौन सी पोस्ट्स खाली हैं, वे पोस्ट्स एस.सी. और एस.टी. के लिए हैं, वे ही खाली हैं और उनका बैकलॉग बन गया है। यह काम अस्पताल का नहीं है, सरकार का काम है। अगर एस.सी. और एस.टी. के नए बच्चे वहां डाक्टर्स या लेक्चरर्स बन कर आएं तो उन्हें स्क्रूट किया जा सकता है। अगर नहीं आ रहे हैं तो इसमें अस्पताल का कोई दोष नहीं है। इसलिए किस आधार पर उस अस्पताल को डिरिकोग्नाइज करने का नोटिस दिया जा रहा है? मैं इस बारे में मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि वह कृपया इस असप्ताल को, जो मुम्बई के इतिहास से जुड़ा हुआ है, उसके डिरिकोग्नीशन को जितनी जल्दी हो सके खारिज किया जाए। मुझे मालूम है एमसीआई एक एटोनॉमस बॉडी है इसलिए मंत्रालय का उसमें ज्यादा दखल नहीं हो सकता। लेकिन एमसीआई का जो कामकाज है...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया:** ठीक है, आपने अपनी बात कह दी। अब आप बैठ जाएं, क्योंकि अभी काफी सदस्यों को बोलना है।

...(व्यवधान)

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर):** संजय जी, मुझे बोलने दें, क्योंकि रमजान का महीना शुरू हो गया है, मुझे जल्दी जाना है।...(व्यवधान)

**श्री संजय निरुपम :** मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। एमसीआई की जो इस प्रकार की मनमानी भरी नोटिस है, वह केवल किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल, मुम्बई के लिए ही नहीं है, बल्कि चंडीगढ़, जम्मू के अस्पतालों के लिए भी है। इसलिए मैं स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि वह इस अस्पताल को बचाने के लिए तुंत कार्रवाई करें।